रात्रि क्लास 4/6/68:– सदैव बच्चों को ख़्याल रहना चाहिए, हम जो श्रीमत पर सर्विस कर रहे हैं नई बात नहीं, अनेकानेक बार हमने की है। जो कुछ होगा, कल्प पहले भी हुआ है। अत्याचार आदि जो हुए वह कल्प पहले भी हुआ है। पीछे की बात को देखना न चाहिए। हम आत्मा ने यह पार्ट बजाया है। तुम हो अविनाशी एक्टर्स। तुम्हारे लिए नई एक्ट नहीं। तुम जानते हो अत्याचार आदि होंगे, अनेक प्रकार के विघ्न पड़ेंगे। उनका चिंतन नहीं करना होता है। बाप सुखदाई है, हम बच्चों को भी बनना है। सुखधाम के मालिक बनने लिए सबको रास्ता बताना है। तुमको यह पहचान है। न पास्ट में थे न फ्युचर में होंगे। सिर्फ़ अभी ही यह ज्ञान है कि अनेक बार यह पार्ट बजाया है। तुम्हारे जैसा खुशनसीब एक्टर कोई हो नहीं सकता। तुम इस बेहद के फिल्म के हीरो–हीरोइन का पार्ट बजाने वाले हो। इनसे ऊँच पोज़ीशन होता नहीं। सर्विस करने वालों को बहुत खुशी होती है। तुम्हारी आगे चल बहुत महिमा होगी। तुम मनुष्यों को जीयदान देते हो। रात–दिन किसका जीवन ह(ी)रे मिसल बनाते रहें, यही ओना रहेगा तुमको। इसलिए बाबा ज़ोर देते रहते हैं, म्युज़ियम बनाओ। आगे चलकर तुमको बहुत मकान मिलेंगे, कहेंगे यह बिल्कुल ठीक है। यहां है हिंसा। काम–कटारी को ही मुख्य हिंसा कहा जाता है। चीदे–2 अक्षर डालनी चाहिए। ड्रामा अनुसार सर्विस वृद्धि को पावेगी। खर्चा का ख़्याल नहीं करना चाहिए। पापात्मा से पुण्यात्मा, मनुष्य से देवता बनाना यह तुम बच्चों का फ़र्ज़ है। अभी तुम बन रहे हो। फाइनल जब होगा तब तुम्हारा यह शरीर छूटेगा। भारत बल्कि वर्ल्ड की सच्ची सेवा बाप तुम बच्चों से कराते हैं। तब ही फर्स्ट क्लास प्राइज़ मिलती है। खिट–2 तो चलती रहेगी। तुम ऐसे ही समझो बाप के साथ आए हैं, जंगल को मंगल बनाने। बाप आते ही हैं सभी के दुःख दूर कर सुखधाम, विश्व का मालिक बनाने। सारे ड्रामा में तुम्हारे जैसा पार्टधारी ऊँच कोई नहीं। वह एक्टर्स कितना कमाते हैं। तुम बच्चे तो विश्व के मालिक बनते हो। तो इतनी खुशी होनी चाहिए। तुम्हारे जितना ना(म) और कोई का हो नहीं सकता। अच्छा बच्चों को गुडनाइट और नमस्ते।